प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.12/2024)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 12 मार्च 2024

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

"वर्ष 2022-23 के लिए "वर्षिक दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण ने वर्ष **2022-23** के लिए "वार्षिक भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट" जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा **1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023** की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहां संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट इस लिंक **http://www.trai.gov.in/release-publication/reports/performance-indicators-reports** पर उपलब्ध है ।

किसी भी स्पष्टीकरण के मामले में संपर्क हेतु: -

श्री अमित शर्मा,
सलाहकार (एफ एंड ईए),
भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण,
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहर लाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली - 110002
फोन: 011-23234367
ई-मेल advfea2@trai.gov.in

वि. रघुनंदन

(वि. रघुनन्दन)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या 6.83% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ मार्च-22 के अंत में 824.29 मिलियन से बढ़कर मार्च-23 के अंत में 881.25 मिलियन हो गई। मार्च-23 के अंत में कुल 881.25 मिलियन इंटरनेट ग्राहकों में से ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 846.57 मिलियन और नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 34.69 मिलियन है।

31 मार्च, 2023 तक इंटरनेट सब्बसक्रिप्शन की संरचना

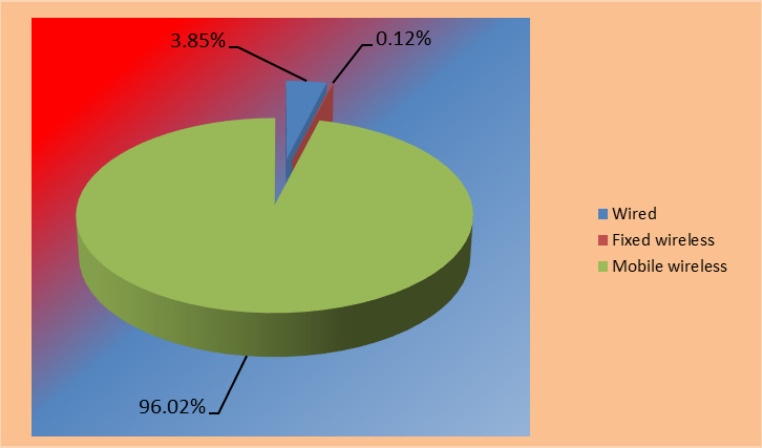

2. ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-22 के अंत में 788.30 मिलियन से बढ़कर मार्च-23 के अंत में 846.57 मिलियन हो गई, जिसमें वार्षिक वृद्धि दर 7.39% थी। नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-22 के अंत में 36.59 मिलियन से घटकर मार्च-23 के अंत में 34.69 मिलियन हो गई, जिसमें वार्षिक ह्रास की दर 5.21% थी।

3. 19.91% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वायरलेस सेवा के लिए प्रति माह औसत राजस्व (एआरपीयू) 2021-22 के दौरान 115.71 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 138.75 रुपये हो गया।

4. प्रीपेड सेवा के लिए प्रति माह औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) वर्ष 2021-22 के दौरान 110.73 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 135.47 रुपये हो गया हालाँकि

इसी अवधि के दौरान पोस्टपेड सेवा के लिए प्रति माह एआरपीयू 185.15 रुपये से घटकर 176.73 रुपये हो गया।

5. प्रति ग्राहक प्रति माह औसत उपयोग के मिनट (एमओयू) वर्ष 2021-22 के दौरान 879 से बढ़कर 2022-23 में 919 हो गए, जिसमें वार्षिक वृद्धि दर 4.56% है।

6. पोस्टपेड सेवाओं के लिए प्रति ग्राहक प्रति माह उपयोग के मिनट (एमओयू) वर्ष 2021-22 के दौरान 588 से घटकर 2022-23 में 532 हो गए। हालाँकि, इसी अवधि के दौरान प्रीपेड सेवाओं के लिए एमओयू 900 से बढ़कर 953 हो गए।

7. वायरलेस डेटा उपभोक्ताओं की संख्या 6.25% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ मार्च-22 के अंत में 796.44 मिलियन से बढ़कर मार्च-23 के अंत में 846.21 मिलियन हो गई है। इसके अलावा, वायरलेस डेटा उपयोग की कुल मात्रा 16.44% की वार्षिक वृद्धि के साथ वर्ष 2021-22 के दौरान 1,37,459 पीबी से बढ़कर वर्ष 2022-23 के दौरान 1,60,054 पीबी हो गई।

8. वायरलेस डेटा उपयोग से कुल राजस्व वर्ष 2021-22 में 1,43,169 करोड़ रुपये से बढ़कर 21.63% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2022-23 में 1,74,144 करोड़ रुपये हो गया।

9. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या मार्च, 2023 के अंत में बढ़कर 1,172.34 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत में 1,166.93 मिलियन थी, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 0.46% की वृद्धि दर दर्ज की गई। हालांकि देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 0.44% की ह्रास की दर के साथ मार्च, 2022 के अंत में 84.88% से घटकर मार्च, 2023 के अंत में 84.51% रहा।

10. मार्च, 2023 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में 1.02% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 647.11 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत में 653.71 मिलियन थी। हालांकि शहरी दूरसंचार घनत्व 0.84% की

वार्षिक ह्रास की दर के साथ मार्च, 2022 के अंत में 134.94% से घटकर मार्च, 2023 के अंत में 133.81% हो गया।

11. मार्च, 2023 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में 0.23% की वार्षिक ह्रास की दर के साथ दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या घटकर 518.63 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत में 519.82 मिलियन थी। और इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 0.61% की वार्षिक ह्रास की दर के साथ मार्च, 2022 के अंत में 58.07% से घटकर मार्च, 2023 के अंत में 57.71% हो गया।

<u>टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)</u>

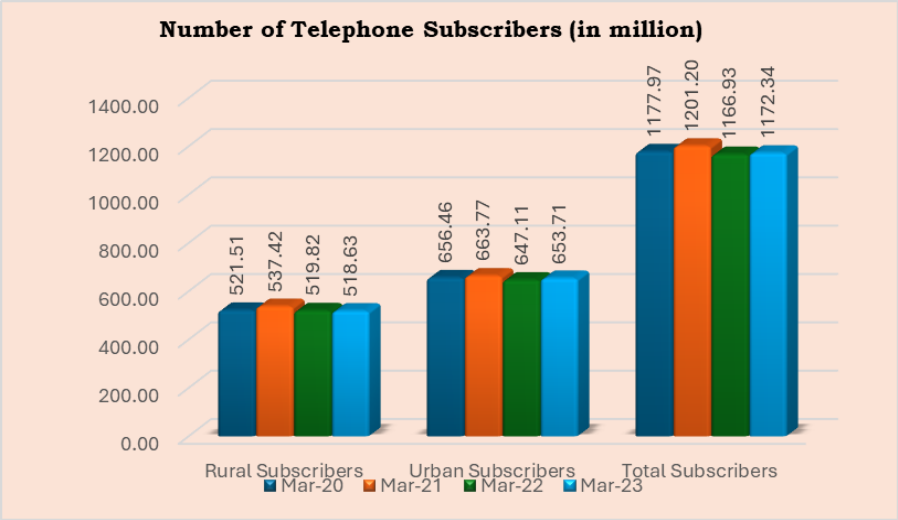

<u>दूरसंचार टेलीघनत्व का रूझान</u>

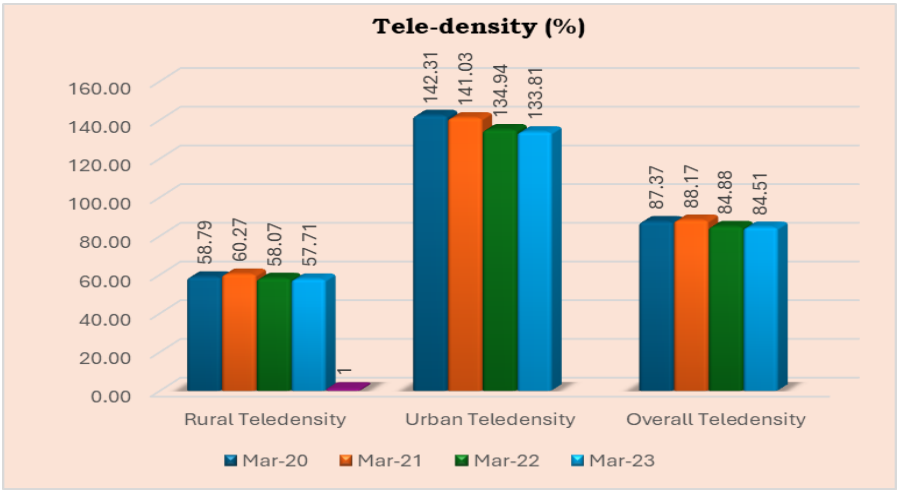

12. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी मार्च, 2023 के अंत तक घटकर 44.24% हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत तक 44.55% थी। हालांकि शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी मार्च, 2023 के अंत तक बढ़कर 55.76% हो गई जो कि मार्च, 2022 के अंत तक 55.45% थी। निम्नलिखित चार्ट मार्च-23 के अंत में टेलीफोन ग्राहकों की ग्रामीण-शहरी बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है।

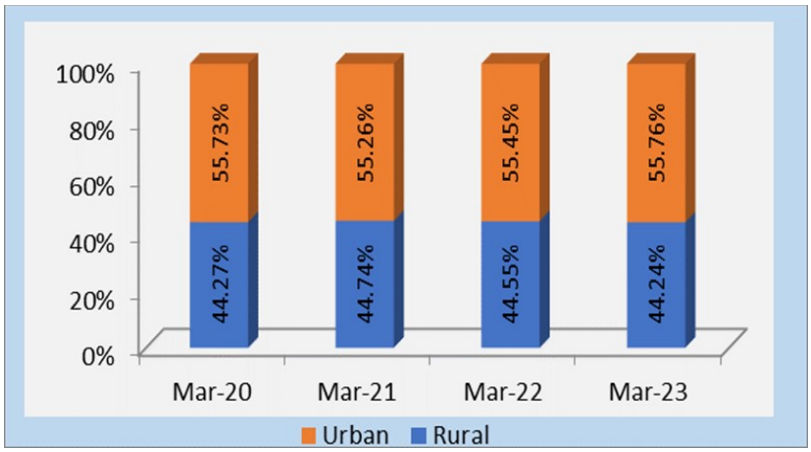

13. मार्च-23 के अंत में कुल 1,172.34 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं में से वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,143.93 मिलियन थी और वायरलाइन टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 28.41 मिलियन हो गई। निम्नलिखित चार्ट भारत में वायरलेस और वायरलाइन उपभोक्ताओं की बाजार हिस्सेदारी को दर्शाता है

वायरलेस और वायरलाइन सब्सक्राइबर्स के बाजार हिस्सेदारी की संरचना

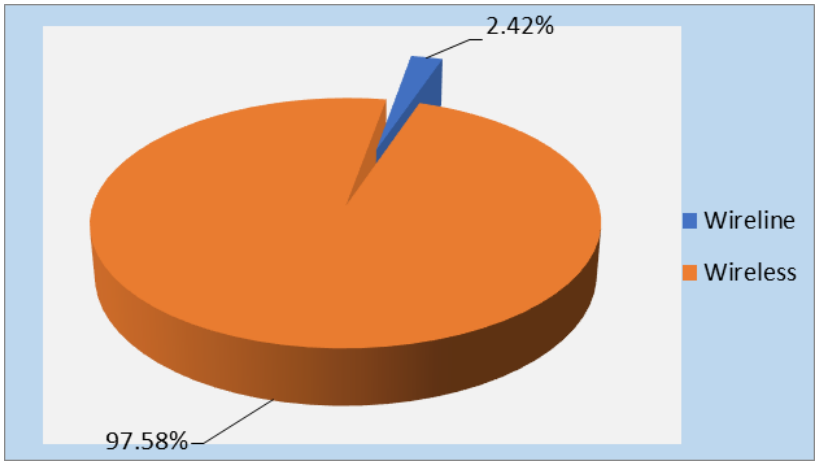

14. कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या मार्च-22 के अंत में 1,142.09 मिलियन से बढ़कर मार्च-23 के अंत में 1,143.93 मिलियन हो गई, जिससे 0.16% की वार्षिक वृद्धि दर देखी गई। वर्ष 2022-23 के दौरान 1.83 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई।

15. समग्र वायरलेस टेलीघनत्व मार्च-22 के अंत में 83.07% से घटकर मार्च-23 के अंत में 82.46% हो गया। मार्च-23 के अंत में ग्रामीण वायरलेस टेलीघनत्व 57.85% से घटकर 57.46% हो गया और शहरी वायरलेस टेलीघनत्व भी 130.17% से घटकर 128.45% हो गया।

16. 14.37% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ कुल वायरलाइन सब्बसक्राइबर बेस मार्च-22 के अंत में 24.84 मिलियन से बढ़कर मार्च-23 के अंत में 28.41 मिलियन हो गया।

17. समग्र वायरलाइन टेली-घनत्व मार्च-22 के अंत में 1.81% से बढ़कर मार्च-23 के अंत में 2.05% हो गया। इसी अवधि के दौरान ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व 0.22% से बढ़कर 0.25% हो गया और शहरी वायरलाइन टेली-घनत्व भी 4.77% से बढ़कर 5.36% हो गया।

18. सकल राजस्व (जीआर) 19.94% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ वर्ष 2021-22 में 2,78,216 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 3,33,697 करोड़ रुपये हो गया। समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) भी वर्ष 2021-22 में 14.17% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 2,18,882 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 2,49,908 करोड़ रुपये हो गया।

19. पास थ्रू शुल्क 1.08% वृद्धि के साथ वर्ष 2021-22 में 55,367 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 55,965 करोड़ रुपये हो गया। सकल राजस्व के प्रतिशत के रूप में पास-थ्रू शुल्क 2022-23 में 16.77% रहा, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 19.90% था।

20. वार्षिक स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) 29.75% ह्रास की दर के साथ वर्ष 2021-22 में 7,072 करोड़ रुपये से घटकर वर्ष 2022-23 में 4,968 करोड़ रुपये हो गया। हालाँकि, इसी अवधि के दौरान लाइसेंस शुल्क सालाना 13.20% बढ़कर 17,627 करोड़ रुपये से बढ़कर 19,954 करोड़ रुपये हो गया।

21. दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में एक्सेस सेवाओं का योगदान 80.82% था। एक्सेस सेवाओं में, वर्ष 2021-22 की तुलना में वर्ष 2022-23 में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) और लाइसेंस शुल्क में क्रमशः 24.17%, 17.01% एवं 17% की वृद्धि हुई। हालाँकि, इसी अवधि के दौरान पास थ्रू शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) में क्रमशः 2.75% और 29.74% की गिरावट हुई।

वर्ष 2022-23 के दौरान समायोजित सकल राजस्व की सेवावार संरचना

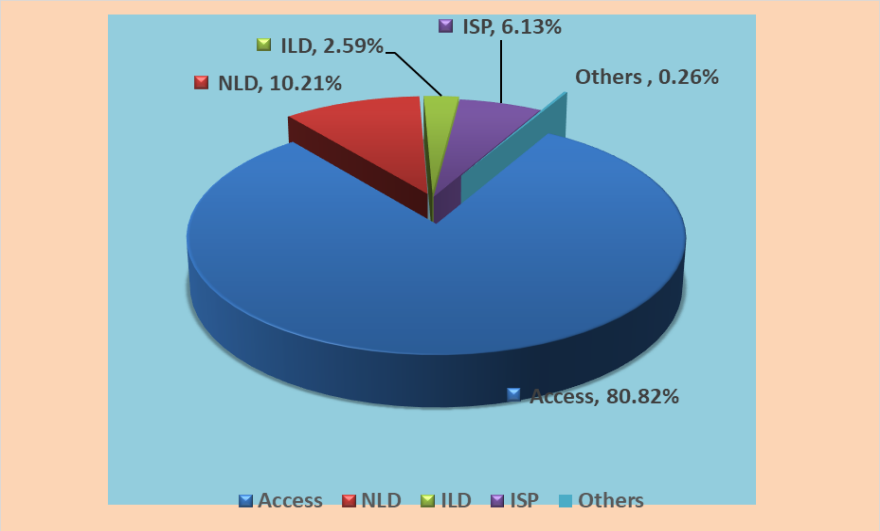

22. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा 31.03.2023 तक कुल 903 निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है। भारत में 903 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से 892 चैनल डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध हैं।

23. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 892 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से 31 मार्च 2023 तक 358 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 358 पे चैनलों में से 254 एसडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल और 104 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

24. वर्ष 2003 में डीटीएच सेक्टर की शुरुआत के बाद से, भारतीय डीटीएच सेवा ने अभूतपूर्व वृद्धि प्रदर्शित की है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि के दौरान, भारत में 4 पे डीटीएच सेवा प्रदाता थे।

25. पे डीटीएच सेवा प्रदाताओं ने 31 मार्च, 2022 तक 66.92 मिलियन उपभोक्तओं की तुलना में 31 मार्च, 2023 तक लगभग 65.25 मिलियन का सक्रिय सब्बसक्राइबर बेस प्राप्त कर लिया । यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है।

26. ऑल इंडिया रेडियो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, 31 मार्च 2023 तक 113 शहरों में 36 एफएम रेडियो प्रसारणकर्ता द्वारा 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन चालू हैं, जबकि 31 मार्च 2022 तक 113 शहरों में 36 एफएम रेडियो प्रसारणकर्ता द्वारा 386 निजी एफएम रेडियो स्टेशन चालू थे।

27. 31 मार्च 2022 तक 349 सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की तुलना में 31 मार्च 2023 को 427 सामुदायिक रेडियो स्टेशन चालू थे।

रिपोर्ट का सारांश

31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,172.34 मिलियन
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.46 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	653.71 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	518.63 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.15 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.85 प्रतिशत
कुल दूरसंचार घनत्व	84.51 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	133.81 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.71 प्रतिशत
वायरलैस उपभोक्ता	
कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,143.93 मिलियन
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.16 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	627.54 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	516.38 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.73 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.27 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	82.46 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	128.45 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.46 प्रतिशत
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	67,820
वीसैट की कुल संख्या	2,56,170
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	28.41 मिलियन
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	14.37 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	26.16 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2.25 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	66.85 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	33.15 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	2.05 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	5.36 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.25 प्रतिशत
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	68,606
पब्लिक कॉल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	42,135

इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	881.25 मिलियन
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	6.83 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	34.69 मिलियन
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	846.57 मिलियन
वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	33.94 मिलियन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	847.31 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	523.26 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	357.99 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	63.53
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	107.11
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	39.84
दूरसंचार वित्तीय आंकडे (वर्ष 2022-23 के लिए)	
सकल राजस्व (जीआर)	3,33,697 करोड़ रुपए
पिछले वर्ष की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	19.94 प्रतिशत
समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	2,49,908 करोड़ रुपए
पिछले वर्ष की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	14.17 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	4.44 प्रतिशत
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अपलिंकिंग/केवल डाऊनलिंकिंग/अपलिंकिंग एवं डाउनलिंकिंग दोनों के लिये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	903
पे-टीवी चैनलों की संख्या	358
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	388
एक्टिव डीटीएच पे-उपभोक्ताओं की संख्या	65.25 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	427
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड (वर्ष 2022-23 के लिए)	
वायरलैस (पूर्ण मोबिलिटी) सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	138.75 रुपए
वायरलैस (पूर्ण मोबिलिटी) सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	919 मिनट
वायरलैस सेवाओं के लिए प्रति डेटा ग्राहक प्रति माह वायरलैस डेटा के लिए औसत राजस्व	176.59 रुपए
वर्ष के दौरान प्रति उपभोक्ता प्रति जीबी वायरलैस डेटा औसत राजस्व	10.38 रुपए
प्रति डाटा उपभोक्ता के लिए प्रति माह औसत वायरलैस डाटा यूसेज	17.01 जीबी